समेकित कृषि से समृद्ध होंगे किसान : राधामोहन

कृषि को विज्ञान से जोड़ना केंद्र सरकार का सपना, कौशल प्रशिक्षण देकर युवाओं को जोड़ा जाएगा रोजगार से

जासं, मोतिहारी : केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि इंटीग्रेटेड कृषि तकनीक अपनाकर किसान समृद्ध हो सकते हैं। जरूरत है इसे प्रारंभ करने की। यह हर किसान कर सकता है। एक साथ कई प्रकार के आर्थिक लाभ उन्हें मिलने लगेगा।

इस कृषि में एक साथ मछली की खेती, केला व मखाना की खेती के अलावा मुर्गी पालन भी किया जा सकता है। श्री सिंह नगर भवन के मैदान में इफको व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कहा कि जिले के पीपरा कोठी में समेकित कृषि के लिए शोध संस्थान खोला गया है। यहां संस्थान इस कृषि को कर लोगों को जागरुक किया जाएगा। खेती से युवाओं का मोह भंग हो रहा है। उनको कृषि से जोड़ने के लिए कृषि आधारित कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाएगा। देश के 25 राज्यों के 25 जिलों में प्रयोग के तौर पर इसे प्रारंभ किया गया है। अगले माह में हर जिले में कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे। कहा कि गांव के गरीब व किसानों को समृद्ध करना केंद्र सरकार की सोच है। किसानों को कृषि उत्पादों के मूल्य के बारे में जानकारी नहीं होने के कारण वे ठगे जा रहे हैं। कृषि क्षेत्र में विज्ञान ने उनकी इस समस्या को भी सरल बना दिया है। अब किसान एक जगह से पूरे राज्य व देश की मंडियों के मूल्यों के बारे में न केवल जानकारी प्राप्त करेंगे, बल्कि वे अपने उत्पाद की खरीद-बिक्री भी कर सकेंगे। अप्रैल तक एक सॉफ्टवेयर आ रहा है जो दो सौ बाजार को जोड़ेगा। आने वाले वर्षों में 585 बाजारों की जानकारी किसानों को एक स्थान से मिलेगी। सरकार की मंशा है कि पूरे देश के लिए एक मंडी हो। किसान घर बैठे खरीदारी करें। कहा कि कर्नाटक में इस दिशा में कार्य प्रारंभ हुए हैं। देश के अन्य दस राज्यों ने इसके लिए स्वीकृति दी है। बिहार व केरल में इस प्रकार के बाजार नहीं है। इस दिशा में मुख्यमंत्री से मिलकर बात करेंगे। मौके पर संयुक्त महाप्रबंधक इफको योगेन्द्र कुमार, राज्य विपणन प्रबंधक अजय कुमार सिंह, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद कुमार, परियोजना समन्वयक वीसी सिंह, कार्यवाहक कुलपति राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय एकेपी सिंह, वरीय कृषि वैज्ञानिक संतपाल सिंह, प्रभारी कुलपति केविके केके झा, पूर्व कुलपति राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय गोपाल त्रिवेदी, सुजीत सिंह, विधायक प्रमोद कुमार, राणा रणधीर, सचिव प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक कृष्णनंद पासवान, जिलाध्यक्ष सुनील मणि तिवारी, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, नप मुख्य पार्षद प्रकाश अस्थाना समेत कई लोग मौजूद थे।

सेमीनार में उपस्थित लोग जागरण

दीप प्रज्ज्वलित कर कृषि सेमीनार का उद्घाटन करते केंद्रीय मंत्री जागरण

मिट्टी के एकत्रित होंगे नमूने

किसानों के खेतों के स्वायल हेल्थ कार्ड देने की योजना के बारे में चर्चा करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि इसकी जांच से खेतों की मिट्टी में मौजूद बीमारियों का पता चलेगा। साथ ही इसके इलाज के लिए उपाय भी बताए जाएंगे। पांच दिसंबर तक 68 लाख मिट्टी के नमूने लिए जा चुके हैं। मार्च तक एक करोड़ के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। केंद सरकार इस योजना पर 568 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

हिन्दुस्तान
• मुजफ्फरपुर • शनिवार • 26 दिसम्बर 2015

आज का दिन 1530 में आगरा के पास धौलपुर में मुगल वंश के संस्थापक बाबर का निधन हो गया।

अगले साल पूरे देश में लागू होगी नयी बीमा नीति, हर साल 250 युवाओं को रोजगार के लिए दी जाएगी ट्रेनिंग

पिपराकोठी में खुलेगा कौशल विकास केन्द्र: मंत्री

हुई शुरुआत

मोतिहारी | हिन्दुस्तान संवाददाता

खेती से नौजवानों को भागने की जरुरत नहीं है। अब उन्हें भारत सरकार ने रोजगार के लिए ट्रेनिंग देने का फैसला लिया है। अगले साल जनवरी में पिपराकोठी में कौशल विकास केन्द्र खोला जाएगा। यहां हर साल गांव के 250 बेरोजगार युवाओं को ट्रेनिंग देकर रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा।

उक्त बातें केन्द्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने शुक्रवार को स्थानीय नगर भवन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी के जन्म दिवस पर आयोजित जय किसान , जय विज्ञान समारोह सह किसान वैज्ञानिक महासंगम को संबोधित करते हुए अपने उद्घाटन भाषण में कहीं।

उन्होंने कहा कि इस योजना की शुरूआत करने का मकसद है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सोच को धरातल पर उतारना। इसे अपनाकर किसान अधिक उत्पादन कर सकेंगे। इसके लिए 2017 में देश भर में 250 सरकारी मार्केट की स्थापना की जाएगी, जो नवीनतम सॉफ्टवेयर से जुड़ा रहेगा। इससे लाभ यह होगा कि किसान किसी एक मार्केट में बैठकर देशभर के बाजार मूल्य का हाल जान सकेंगे। इससे उनके उत्पादों का उचित मूल्य हासिल होगा। कहा कि कनार्टक राज्य में 50 मार्केट खुल गये हैं। इसके अलावे अन्य 10 राज्यों ने भी इसके लिए स्वीकृति दी है।

लगा कृषि मेला

- कृषि मंत्री ने कहा कि अगले साल देश भर में 250 मार्केट खोलेगी भारत सरकार
- अटलजी के जन्म दिन पर जय किसान, जय विज्ञान कार्यक्रम शुरू
- इफको के तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम व लगा कृषि मेला

नगर भवन परिसर मे आयोजित 'जय जवान-जय विज्ञान' कार्यक्रम मेंउपस्थित किसान।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रही बीमा नीति में बदलाव किया जाएगा। अगले साल नयी बीमा नीति पूरे देश में लागू की जाएगी। इसकी प्रीमियम दर कम रहेगी और किसानों को जल्द भुगतान की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने नजदीक से गरीबी देखी है । वे चाहते हैं कि अटल जी के सपनों को भारत बने। जिसके लिए कृषि को विज्ञान से जोड़ने के लिए देश में जय किसान, जय विज्ञान कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है। कार्यक्रम के पूर्व मंत्री श्री सिंह ने परिसर में इफको द्वारा लगाये गये कृषि मेले के स्टॉल का निरीक्षण किया गया। संचालन राकेश कश्यप ने किया। समारोह को नगर विधायक प्रमोद कुमार, इफको के संयुक्त महाप्रबंधक योगेन्द्र कुमार, राज्य विपणन प्रबंधक डॉ. अजय सिंह, मुख्य क्षेत्र प्रबंधक विनोद कुमार सिंह, कार्यवाहक वीसी डा. एकेपी सिंह, केन्द्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानित डॉ.राजेश कुमार, पूर्व वीसी गोपालजी त्रिवेदी, क्षेत्रीय पदाधिकारी सुजीत कुमार, डीएओ रामबाबू, पीडी लक्ष्मण प्रसाद, डा. बीपी भट्ट, डा. संत कुमार सिंह, डा. केके झा सहित आईसीएआर के वैज्ञानिकों ने संबोधित किया।

हिन्दुस्तान • मुजफ्फरपुर • शनिवार • 26 दिसम्बर 2015 •

‘मोतीपुर में शुरू होगी गुड़ प्रोसेसिंग की यूनिट’

कार्यक्रम

मोतिहारी | हिन्दुस्तान संवाददाता

गन्ना किसानों की समस्या दूर करने के लिए भारत सरकार मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में गुड़ प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करेगी। आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से तैयार होनेवाले गुड़ की विदेशों तक खूब मांग है। इससे किसान अधिक लाभान्वित हो सकेंगे।

उक्त बातें केन्द्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने शुक्रवार को स्थानीय नगर भवन परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर इफको द्वारा आयोजित जय किसान, जय विज्ञान समारोह सह किसान वैज्ञानिक महासंगम में जुटे किसानों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने इंटीग्रेटेड फार्मिंग पर जोर देते कहा कि इसे अपनाकर किसान अपनी तकदीर बदल सकते हैं। इस तकनीक से छोटे जोतवाले किसान एक साथ मछली पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन, मखाना, टिशु कल्चर केला, अमरुद सहित अन्य सामान्य खेती कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इधर पत्रकार वार्ता में मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शहर स्थित मोतीझील से जलकुंभी की सफाई की दिशा में वैज्ञानिकों की टीम ने कार्य करना शुरु कर दिया है। अगले 15 दिनों बाद सूखी जलकुंभी को हटाकर रोईंग क्लब में रखा जाएगा। इससे वर्मी कंपोस्ट का निर्माण शुरु किया जाएगा।

होगी सफाई

- मोतीझील से जलकुंभी हटाकर होगी सफाई
- असंतुलित उर्वरकों के इस्तेमाल से मिट्टी हो रही खसब

मंत्री ने किया सम्मानित

जय किसान-जय विज्ञान समारोह में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने डीएओ रामबाबू व पीडी लक्ष्मण प्रसाद को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया। कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले विनोद कुमार, राकेश पाल, मो.सोयेब, डॉ. रंजीत कुमार, गौरीशंकर प्रसाद आदि शामिल हैं।

नगर भवन में पत्रकारों को संबोधित करते केन्द्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह।

उन्होंने कहा कि देश के साढे तेरह करोड़ किसानों को मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड दिया जाएगा। हर तीन साल पर मिट्टी की जांच की जाएगी। मिट्टी दिवस पर 68 लाख नमूनों का संग्रह किया जा चुका है। मंत्री ने देश में हो रहे जलवायु परिवर्तन पर किसानों को वैज्ञानिक खेती की सलाह दी। समारोह में आईसीएआर पटना द्वारा सब्जियों पर लिखित पुस्तक का विमोचन किया। इफको नई दिल्ली के संयुक्त महाप्रबंधक योगेन्द्र कुमार ने कहा कि असंतुलित रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की सेहत खराब हो रही है।

उन्होंने जैविक व जीवाणु खाद का अधिक प्रयोग करने की सलाह दी। कहा कि केन्द्रीय कृषि मंत्री की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। एक सप्ताह तक देश के विभिन्न हिस्सों में यह कार्यक्रम चलेगा। खेती में नये तकनीक के इस्तेमाल से ही दूसरी हरित क्रांति आएगी। राज्य विपणन प्रबंधक डा. अजय सिंह ने कहा कि अधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी में जीवांश, गंधक व जिंक की कमी हो रही है। जिसके लिए दलहनी फसल उगाने पर जोर दिया। संचालन राकेश कश्यप ने किया। समारोह को नगर विधायक प्रमोद कुमार, आईसीएआर पटना के वरीय वैज्ञानिक डा. संत कुमार सिंह, मुख्य क्षेत्र प्रबंधक मुजफ्फरपुर विनोद कुमार सिंह, आरएयू के कार्यवाहक वीसी डा. एकेपी सिंह, पूर्व वीसी गोपालजी त्रिवेदी, आईसीएआर पटना के निदेशक डा. बीपी भट्ट, डीएओ रामबाबू, पीडी लक्ष्मण प्रसाद, डा. अश्विनी दत्त पाठक, निदेशक डा. वीरपाल सिंह आदि ने संबोधित किया। मौके पर विधायक सचिन्द्र सिंह, राणा रंधीर, श्यामबाबू यादव, एमएलसी बबलू गुप्ता, डीसीओ वीरेन्द्र शर्मा, केविके के कार्यक्रम समन्वयक डा. केके झा, इफको के क्षेत्रीय पदाधिकारी सुजीत कुमार, मुख्य पार्षद प्रकाश अस्थाना, पूर्व विधायक कृष्णनंदन पासवान, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र गुप्ता, जिलाध्यक्ष सुनील मणि तिवारी, पं. चंद्रकिशोर मिश्रा, ई. चंद्रिका प्रसाद जायसवाल, डा. लालबाबू प्रसाद, मीडिया प्रभारी राजा ठाकुर आदि थे।

दैनिक जागरण 26 दिसंबर 2015

खेतों की ऊपज बढ़ाने में सहायक होगी जलकुंभी

- बनेगा कम्पोस्ट, योजना की हुई शुरुआत

जासं, मोतिहारी : मोतीझील के विकास की अभी तक सिर्फ बातें होती थी, शुक्रवार को इसके विकास के लिए योजना शुरू की गई। विकास की राह का बाधक जलकुंभी के निस्तारण के लिए योजना का शुभारंभ कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने किया। पत्रकारों से बात करते हुए श्री सिंह ने कहा कि जलीय खरपतवार प्रबंधन निदेशालय जबलपुर के वैज्ञानिकों का दल झील के जलकुंभी को साफ करने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए झील के खास हिस्से में खरपतवार नाश करने के लिए रसायनों का छिड़काव किया गया।

झील में एक विशेष प्रकार के कीटों को छोड़ा गया है। यह जलकुंभी में फूल नहीं बनने देंगे। साथ ही जलकुंभी के हल्का होने पर इसे बाहर निकाला जाएगा। कहा कि 15 दिनों के अंदर इसका परिणाम दिखने लगेगा। रोइंग क्लब में वैज्ञानिकों की टीम जलकुंभी को निकालकर वर्मी कंपोस्ट बनाकर लोगों को दिखाएंगे। बेकार समझे जाने वाले यह जलकुंभी अब किसानों के खेतों की हरियाली लाने में सहायक भी होंगे।

कृषि मेले में लगे स्टॉल जागरण

साफ नजर आएगी झील

मोतिहारी : कृषि मंत्री ने कहा प्रारंभिक स्तर पर दस से 15 एकड़ में यह कार्य प्रारंभ किया जाएगा। कम्पोस्ट व वर्मी कम्पोस्ट के लाभ के साथ झील भी साफ नजर आएगा। जबलपुर के खरपतवार निदेशालय के निदेशक डा. अजीत राम शर्मा ने कहा कि इस कार्य में प्रधान वैज्ञानिक डा. सुशील कुमार व राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के डा. डीके राय समेत अन्य वैज्ञानिक करीब चार माह तक यहां रहकर इस कार्य को करेंगे।

कृषि मेले में स्टॉलों पर रही भीड़

जासं, मोतिहारी : जय किसान जय विज्ञान समारोह के मौके पर नगर भवन मैदान में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कृषि शोध कार्यों का प्रदर्शन स्टॉल लगाकर किया गया। गन्ने की उन्नत किस्म समेत धान, गेहूं, आलू व अन्य बीजों का प्रदर्शन किया गया। सभी स्टॉलों पर जिले के कोने-कोने से पहुंचे किसान कृषि संबंधी जानकारी प्राप्त करते नजर आए। किंसानों ने नए तकनीक की जानकारी प्राप्त की।

मोतीपुर में होगा आधुनिक गुड़ का निर्माण : जिले की बंद चीनी मिलों को चालू नहीं कराए जाने की हालत में मोतीपुर में आधुनिक गुड बनाने की बात कही गई है। कहा गया है कि गन्ना का उत्पादन चंपारण में सर्वाधिक होता है। किसानों को बेहतर लाभ मिले इसको लेकर आधुनिक तरीके से गुड़ का उत्पादन किया जाएगा। कहा गया कि गुड़ की गुणवत्ता बेहतर होगी और किसानों को इसका लाभ मिलेगा।